The Times of India- 13- October-2022

70,000 affected in fresh Assam flood, 3rd in '22

Kangkan.Kalita1
@timesgroup.com

Guwahati: Nearly 70,000 people in five districts of Assam have been affected by a fresh wave of flood, the third one this year, which hit the state on Wednesday following incessant rain for the past week. The deluge has also taken East Siang district in neighbouring Arunachal Pradesh in its grip.

The Met department has warned that there will be no let-up in the rain until Friday, while the Central Water Commission has said the water levels of the Brahmaputra, Subansiri, Brurhidihing, Dhansiri, Kopili rivers in upper and central parts of Assam are rising. In lower Assam areas, floodwater levels in the major tributaries of the Brahmaputra, Puthimari, Pagladiya, Manas, Beki, Gaurang and Sankosh are also rising.

The Assam State Disaster Management Authority said 69,750 people from 110 villages have been affected.

Millennium Post- 13- October-2022

Flood situation remains grim in Assam

Villagers wade through a flood affected area FILE PHOTO

OUR CORRESPONDENT

GUWAHATI: The flood situation in Assam remained serious on Wednesday as incessant rains lashed several districts affecting nearly 40,000 people, officials said.

Many affected people have taken shelter in relief camps and distribution centers of the affected districts, they said.

In the last 24 hours floods due the to heavy rains in the state since Monday were reported from four districts comprising at least eight revenue circles of nearly 50 villages, the officials said

While Dhemaji, Lakhimpur and Dibrugarh districts have been affected by the rain, flash floods in Jatinga river affected some areas in Dima Hasao.

"One stone loaded dumper was stuck in Jatinga river when the water level rose suddenly. The driver and the handyman left the vehicle and ran to safety," an official said.

Reports of erosion from Bongaigaon, Dhemaji, Dibrugarh, Morigaon and Sonitpur districts have also been received.

The district administrations and State Disaster Response Force are evacuating the people from the affected areas.

A Central Water Commission bulletin said Brahmaputra river is flowing above the danger mark at Neamatighat in Jorhat.

Millennium Post- 13- October-2022

CM Yogi Adityanath chairs high-level meet to review flood situation in UP

OUR CORRESPONDENT

LUCKNOW: Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath chaired a high-level meeting on Wednesday, in the wake of widespread rainfall in the state, and directed his ministers to oversee relief and rescue operations in the districts under their charge.

As per a report from the relief commissioner's office, 1,370 villages in 18 districts of the state are affected by floods due to heavy rainfall in the last couple of days.

Adityanath reviewed the flood situation and issued directions to expedite the relief and rehabilitation work in the affected districts. District control rooms should be functional round the clock under the leadership of a joint magistrate-level officer, he said.

Flooded roads along the Tilak Nagar Sisamau drain following heavy downpour, in Kanpur PTI

Due to excessive rainfall in the last few days, adverse effects have been seen on life, livestock and agriculture, the chief minister said. Loss of public and private property has been reported from several districts, he added.

The state government is committed to making necessary arrangements for safety and maintenance of all affected people, an official statement quoted Adityanath as saying.

As per the relief commissioner's report, three people have died in the state due to excessive rainfall, and one each due to lightning, snakebite and drowning.

Expressing grief over the loss of lives, the chief minister said relief should be provided to the families of the deceased immediately and proper treatment arranged for the injured.

Adityanath further said immediate help should be provided to people in the flood-affected areas. There should be no delay in the distribution of relief packets, and there should be adequate arrangements in relief camps, he said.

Reviewing the impact on agricultural crops, the chief minister said teams of revenue and agriculture departments should do a thorough survey and assess the damage so that farmers can be compensated.

Rajasthan Patrika- 13- October-2022

प्रसंगवश

पानी की मांग को लेकर आंदोलन की राह कब तक?

पानी को लेकर प्रदेश में हर साल हालात विकट होते रहे हैं, पेयजल एवं सिंचाई जल दोनों का संकट बना रहता है

सिंचाई के लिए अतिरिक्त पानी की मांग को लेकर पाली जिले के सुमेरपुर में किसानों ने महापड़ाव डाल रखा है। अपनी मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी सरकार को दे रखी है। प्रदेश में साल भर किसी न किसी जिले में पानी की मांग को लेकर आंदोलन की तस्वीर सामने आती ही रहती है। चाहे यह मांग सिंचाई के पानी के लिए हो अथवा पीने के पानी के लिए। यह बात दूसरी है कि छोटे-छोटे स्तरों पर होने वाले ये आंदोलन समझाइश या सरकारी पक्ष की ओर से समस्या का समाधान निकालने के आश्वासन के बाद खत्म भी हो जाते हैं। सवाल यह है कि क्या इस तरह से आंदोलन की राह पकड़ने पर ही जिम्मेदार हरकत में आएंगे? क्या आम जनता को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने और किसानों को उनके खेतों में सिंचाई का बंदोबस्त करने का जिम्मा सरकार का नहीं है? आए दिन हो रहे धरना-प्रदर्शन यह संकेत करने के लिए काफी हैं कि यदि पेयजल व सिंचाई जल की उपलब्धता के कारगर उपाय नहीं खोजे गए, तो हालात और भी भयावह होंगे।

सर्वविदित है कि पानी सीमित है और उसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। ज्यादा चिंताजनक पहलू तो यह है कि हम बारिश के पानी को ही ठीक से सहेज नहीं पाते। प्रदेश में इस बार तीन साल में सबसे अच्छा मानसून रहा। पानी की बूंद-बूंद व्यर्थ न जाए, प्रदेश की सरकार यह नारा तो देती है, लेकिन इस बार भी हमने देखा कि बारिश का पानी व्यर्थ बह गया और हम अपनी क्षमता के हिसाब से भी पानी को नहीं सहेज पाए। हकीकत यह है कि बारिश का अतिरिक्त पानी भी सहेज लिया जाए, तो करीब पांच साल का कोटा पूरा हो सकता है। इस बार अकेले चम्बल नदी के बांधों से जितना पानी व्यर्थ बहाया गया, उससे कोटा बैराज की क्षमता के बराबर के 40 बांधों जितना पानी आ सकता था। इधर,प्रदेश के दस जिलों में सिंचाई पानी के साथ पेयजल उपलब्ध करवा रही इंदिरा गांधी नहर को लेकर तो अभी से चिंता होने लगी है। माना जा रहा है कि 2051 तक इस नहर से पेयजल की मांग चार से साढ़े चार हजार क्यूसेक हुई तो सिंचाई के लिए वर्तमान की तुलना में 77 प्रतिशत पानी ही उपलब्ध होगा। शेष की आपूर्ति कहां से होगी, यह बड़ा सवाल है। ऐसे में व्यर्थ बहने वाले बरसाती पानी को सहेजने और पानी की बचत वाली सिंचाई पद्धतियों को अपनाना होगा। अंतरराज्यीय जल बंटवारा विवाद खत्म करना होगा। साथ ही नदियों के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों को भी हटाना होगा। (म.सिं.शे.)

Rashtriya Sahara- 13- October-2022

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर

गुवाहाटी (भाषा)। असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को गंभीर बनी रही जहां कई जिलों में लगातार बारिश से करीब 40,000 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अनेक प्रभावित लोगों ने राहत शिविरों एवं प्रभावित जिलों के वितरण केंद्रों में शरण ली है।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में राज्य में सोमवार से भारी बारिश के कारण चार जिलों से बाढ़ की सूचना मिली है, जिसकी चपेट में लगभग 50 गांवों के कम से कम आठ राजस्व मंडल आए हैं। प्रदेश के धेमाजी, लखीमपुर और डिब्रूगढ़ जिले बारिश से प्रभावित हुए हैं, वहीं जातिंगा नदी में अचानक आई बाढ़ से दीमा हसाओ के कुछ इलाके प्रभावित हुए हैं। बोंगईगांव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, मोरीगांव और सोनितपुर जिलों से मिट्टी के कटाव की सूचना मिली है। जिला प्रशासन और राज्य आपदा मोचन बल प्रभावित इलाकों से लोगों को निकाल रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग के बुलेटिन में कहा गया कि ब्रह्मपुत्र नदी जोरहाट के नीमतीघाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने यहां कहा कि असम और मेघालय के अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी और दिन के दौरान 'एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश' होगी तथा कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश होगी।

Hari Bhoomi- 13- October-2022

वर्षा जनित हादसों में पिछले 4 घंटों में 6 लोगों की मौत, अनेक लोग घायल

यूपी में बाढ़ से बिगड़े हालात, पांच जिलों का सीएम योगी ने किया हवाई सर्वेक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित जनपदों (अयोध्या, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पांचों जिलों का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ ही बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ने यहां बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें राहत सामग्री वितरित की और उनका हाल जाना। पत्रकार वार्ता करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस आपदा में सरकार आपके साथ है और आपकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने बताया कि बाढ़ के हालत और राहत बचाव कार्यों को लेकर आज बैठक ली गयी है और मंत्री समूह को सभी जनपदों में भेजा गया है। साथ ही साथ बाढ़ प्रभावित जनपदों का खुद उनके द्वारा दौरा भी किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पहले बाढ़ अगस्त और सितंबर महीने के बीच में आती थी। इस बार हम लोग यह मानकर चल रहे थे कि बाढ़ नहीं आएगी। यद्यपि पिछले 3-4 वर्षों में नदियों पर बहुत कार्य हुआ है, जिससे बाढ़ काफी हद तक रुक गई थी, लेकिन इस बार अक्टूबर माह में विजयदशमी के बाद आई यह बाढ़ अप्रत्याशित है। पिछले दस दिनों में भारी बारिश हुई है। पहले सूखे के कारण किसान परेशान था और जब बरसात आई है तो खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सूखा और बाढ़ की वजह से जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ है उनके सर्वे का आदेश दिया गया है। रिपोर्ट आते ही हम सभी पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएंगे।

- पीड़ितों से मुलाकात कर राहत सामग्री वितरित की, जाना उनका हाल
- सीएम बोले सभी को मिलकर करना होगा इस आपदा का मुकाबला

सीएम योगी आदित्यनाथ 12 अक्टूबर को बलरामपुर जेले के उतरौला में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री प्रदान करने के बाद उनसे बातचीत की।

बलरामपुर के 280 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित

बाढ़ग्रस्त जनपदों के दौरे के क्रम में सीएम योगी सबसे पहले बलरामपुर पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि यहां के 280 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। मैंने अभी उतरौला और बलरामपुर सदर के गांवों का निरीक्षण किया है। इन सभी गांवों में राहत कार्य युद्ध स्तर पर हो इसका मैंने निर्देश दिया है। पीड़ित परिवारों को पर्याप्त संख्या में राहत पैकेट वितरित किया जाए, इसके निर्देश दिए गए हैं। बलरामपुर जिले में थोड़ी समस्या हुई है क्योंकि बलरामपुर- गोंडा मुख्य मार्ग कट गया है, तुलसीपुर- बलरामपुर और बलरामपुर उतरौला वाला मार्ग बाधित हो गया है। इसको ध्यान में रखते हुए प्रशासन अपने स्तर पर कार्य कर रहा है। जनप्रतिनिधि भी राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वह अन्य सभी कार्य स्थगित करते हुए पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि यह आपदा है इसका मुकाबला सभी को मिलकर करना होगा।

श्रावस्ती में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी

श्रावस्ती के दौरे पर पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष प्रदेश के करीब 15 जनपद बाढ़ से प्रभावित हैं। मैं आश्वस्त कराने आया हूं कि किसी भी आपदा में सरकार आपके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के दौरे के क्रम में आज मैं यहां पहुंचा हूं, 13 अक्टूबर को मैंने जलशक्ति मंत्री को भेजा था। श्रावस्ती जनपद में 114 गांव बाढ़ग्रस्त हैं, जिसमे 50 गांव ज्यादा प्रभावित हैं। राहत और बचाव कार्य को युद्धस्तर पर चलाने के लिए शासन की तरफ से पहले ही निर्देश जारी कर दिया गया था। बाढ़ नियंत्रण के लिए एडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी की फ्लड यूनिट और पुलिस के जवानों को पहले ही तैयार कर दिया गया था। जिन गांवों में पहुंचना मुश्किल था, वहां से पीड़ितों को सुरक्षित निकालने के लिए व्यवस्था की गई। इसके लिए प्राइवेट नाव और स्टीमर की व्यवस्था भी पहले ही कर दी गई थी।

सीएम योगी ने अत्यधिक वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेज करने का दिया निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक मंत्रिसमूह को बुधवार को निर्देश दिया कि वह हाल में अत्यधिक वर्षा के कारण प्रभावित हुए राज्य के क्षेत्रों का तत्काल दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी सुनिश्चित करे। एक सरकारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रदेश में अत्यधिक बारिश के कारण पैदा हुई परिस्थितियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तीय बैठक की। इसमें बताया गया कि मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित सभी जिलों में राहत एवं पुनर्वास कार्य तेज करने और जिला नियंत्रण कक्षों को चौबीसों घंटे चालू रखने के निर्देश दिए। आदित्यनाथ ने कहा कि विगत कुछ दिनों में अत्यधिक बरसात से जनजीवन, पशुधन एवं खेती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और कई जिलों में जन-धन की हानि की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी प्रभावित लोगों की सुरक्षा और भरण-पोषण के लिए आवश्यक प्रबंध करने को प्रतिबद्ध है। बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री ने बिजली गिरने, सर्पदंश, डूबने और अत्यधिक बारिश के कारण हुए अन्य हादसों में लोगों की मौत होने पर दुःख व्यक्त किया और मृतकों के परिजन को स्वीकृत राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने एवं घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आमजन को तत्काल मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया।

तेजी से फसलों को हुई हानि का सर्वेक्षण करें

उन्होंने राजस्व और कृषि विभाग के दलों को निर्देश दिया कि वे बारिश से खेती को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण करें, ताकि किसानों को सहायता दी जा सके। राहत आयुक्त कार्यालय से मंगलवार को प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 18 जिलों के 1,370 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इनमें बलरामपुर के सबसे ज्यादा 287 गांव शामिल हैं। इसके अलावा सिद्धार्थनगर के 129, गोरखपुर के 120, श्रावस्ती के 114, गोण्डा के 110, बहराइच के 102, लखीमपुर खीरी के 86 और बाराबंकी के 82 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये विवरण के अनुसार, प्रदेश में अतिवृष्टि के कारण हुए हादसों से तीन और बिजली गिरने, सर्पदंश एवं डूबने से एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।